13 फरवरी, 2020

प्रिय माता पिता एवं अभिभावक

शायद आपने इन दिनों एक बहुत ही संवेदनशील तरीके से बनाया गया टीवी कमर्शियल देखा हो जहां एक पिता अपनी स्कूल में पढने वाली बेटी को कार में ले जा रहा है। बेटी स्पष्ट रूप से परेशान दिखाई दे रही है और उसके मन में उधेड़-बुन चल रही है, क्योंकि उसे लगता है कि उसकी परीक्षाएं अच्छी नहीं हुई, और वह अपने पिता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाई। उसके पिता की ग्रहणशक्ति मजबूत है वह जान जाते हैं वह किस मनोस्थिति से गुजर रही है, तब उन्हें यह सोच कर अच्छा नही लगता कि उन्होंने अपनी बेटी को इतना मजबूत नहीं बनाया कि वह जीवन में अप्रत्याशित रूप से और अचानक आने वाली को मुश्किलों से निपट सके। कितना प्रभावशाली संदेश है !

यह सच है कि भारत में कमर्शियल प्रायः असरदार सामाजिक सन्देशों के इर्द-गिर्द बनते हैं। परन्तु यहाँ केवल यह मुद्दा नहीं है। यह उदाहरण बहुत गहरा है और 21वीं सदी के माता पिता की मनोस्थिति को सही ढंग से प्रतिबिंबित करता है। हम आशा करते हैं कि माता पिता के तौर पर आप समय के साथ बदलने की आवश्यकता को समझते हैं। विद्यालयी शिक्षा का केन्द्र केवल शैक्षणिक अनुशासन ही नहीं रह गया; वास्तव में अब ध्यान जिस विशिष्ट कौशल का विकास करने पर दिया जा रहा है, वह है अधिगम में रूचि। माता-पिता होने के नाते आप बच्चे के अधिगम विकास को बढ़ाने में सहयोगी बनते हैं | जब आप बचपन से ही बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ाते हैं तब जैसे-जैसे उनकी आयु बढ़ती है, उन्हें अन्वेषण और सृजनात्मकता के विकास के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस प्रकार यह नवाचार की भावना और उद्यमिता के विकास की नींव रखता है, और ये दोनों कौशल हमारे जैसे देश के बच्चों के लिए 21वीं सदी के सबसे निर्णायक कौशलों में से हैं।

नवप्रवर्तक और उद्यमी बनने में उनका नेतृत्व करने के लिए, आपको अपने बच्चे की औरों से तुलना करने की बजाय उसकी अपनी अनन्य क्षमता को पहचानना होगा। हो सकता है आपके मित्र का बच्चा गणित में अच्छा हो और इंजीनियर बनना चाहता हो, किंतु आपका बच्चा थियेटर में अच्छा हो और फिल्म-मेकर बनना चाहता हो। उसके लिए अनेक संभावित करियर हो सकते हैं, इसलिए माता-पिता की अपनी मानसिक सीमाएं बच्चों की उपलब्धियां हासिल करने में बाधा नहीं बननी चाहिए।

मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि अपनी स्वयं की आकांक्षाओं की प्राप्ति के लिए इन्हें अपने बच्चे पर न थोपें। मैं आपसे यह भी अनुरोध करती हूँ कि अपने बच्चे को जीवन की स्थितियों का सामना करने में सक्षम बनाएं। जैसे कि उपरोक्त कमर्शियल में पिता समझ जाते हैं | जब हम सब वयस्क ही जीवन में इतने सारे उतार-चढ़ाव झेलते हैं, तो हम बच्चों से क्यों ये अपेक्षा रखते हैं कि वो सदैव बेहतर करेंगे। इसलिए, यह सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा आपके प्रबल समर्थन से ऐसा आत्मविश्वास प्राप्त करे कि किसी प्रतिकूल परिस्थिति के आने पर वह इससे बिना निराश या भ्रमित हुए उसका सामना कर सकें |

आपके मजबूत समर्थन से, हमें विश्वास है कि इस वर्ष आपका बच्चा अपनी बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोत्तम प्रदर्शन करेगा | हमारी ओर से आपके बच्चों को उनकी परीक्षाओं के लिए शुभकामनायें और गुड लक| बोर्ड में बैठने वाले बच्चों के लिए कुछ आवश्यक जानकारी है जो आप सुनिश्चित कर सकते हैं:-

1. आप अपने बच्चे के साथ परीक्षा आरम्भ होने के कम से कम एक दिन पहले परीक्षा केंद्र की लोकेशन की जांच कर लें | सही लोकेशन जानने के लिए आप हमारे परीक्षा केंद्र लोकेटर एप्प (एंड्राइड में उपलब्ध) का प्रयोग कर सकते हैं |
2. सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा परीक्षा-केंद्र पर केवल स्कूल की वर्दी में और स्कूल आई.डी. कार्ड लेकर जाएँ |
3. आपके बच्चे को परीक्षा केंद्र पर 9.45 तक एवं 10.00 बजे से पहले निश्चित रूप से अवश्य ही पहुंचना चाहिए | आप यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा केंद्र के लिए घर छोड़ते समय आपका बच्चा, घर से परीक्षा केंद्र की दूरी, ट्रैफिक, शहर में किसी वी. आई. पी. का आगमन, वातावरण सम्बन्धी जैसीं स्थितियों का भी ध्यान रखें |
4. आप ध्यान रखें कि परीक्षा के दिन आपके बच्चों ने समुचित आराम किया हो और उसने पौष्टिक आहार लिया हो |
5. जांच ले कि आपके बच्चे ने केवल प्रवेश पत्र, स्कूल पहचान-पत्र, पेन, पेंसिल, इरेज़र, स्केल, शार्पनर ही रखे हों | इन सभी को एक पारदर्शी थैली में ले जाना चाहिए जिससे ये सब बाहर से ही दिखाई दे |
6. कृपया सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा मोबाइल, वॉलेट, पर्स आदि को परीक्षा केंद्र में नहीं ले जा रहा है |
7. अपने बच्चे को जागरूक करें कि निरीक्षकों द्वारा दिए जाने वाले सभी अनुदेशों, विशेषतया जो उत्तर- पुस्तिका में अनुक्रमांक लिखने की विधि से संबंधित हैं, का अनुपालन करे |
8. अपने बच्चे से परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के परिणामों के संबंध में चर्चा करे, और उनसे प्रतिज्ञा लें कि वे ऐसा नहीं करेंगे |
9. अपने बच्चे को स्पष्ट करें एवं उनसे वचन लें कि वे अफवाहों फ़ैलाने और सोशल मीडिया पर अपलोड फर्जी झूठे संदेशों और वीडियो पर विश्वास नहीं करेंगे |
10. अपने बच्चों को परीक्षा केंद्र में अनुशासन बनाए रखने के लिए समझाएं |
11. बेंचमार्क विषमताओं के लिये जान लें कि बोर्ड परिपत्र संख्या: CBSE/Coord/112233/2019 दिनांक 12 अप्रैल 2019 के अनुसार आपके बच्चे के लिए प्रावधान किए हैं |
12. यदि आपका बच्चा डायबिटिक हैं तो जान लें कि बोर्ड परिपत्र संख्या: CBSE/Coord/ASC/ 112567/2046 दिनांक 21.02.2017 के अनुसार आपके बच्चे के लिए प्रावधान किए हैं |

एक बच्चे को सबसे अधिक समझ अपने घर से ही प्राप्त होती है वो बच्चा जैसे हमें देखता हैं, वैसा ही बनना चाहता है | आप सभी को, अपने बच्चों के साथ कोमलता, स्नेह, सतर्क, धैर्य, उत्साह और नैतिक व्यवहार के लिए शुभकामनाएं ताकि वह वैसा ही व्यक्ति बने जैसे आप हैं !

**अध्यक्षा**
**केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड**